LOK SABHA

Thursday, March 18, 1982/Phalguna 27, 1903 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

हाजीपुर और बरौनी के बीच अतिरिक्त रेल गाड़ियां

*353. **श्री राम विलास पासवान** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार का विचार हाजीपुर-बरौनी लाइन पर अतिरिक्त रेलगाड़ी चलाने का है, क्योंकि आजकल 8.00 बजे से 17.40 बजे के बीच इस समय कोई रेलगाड़ी नहीं है और यात्रियों को बहुत असुविधा हो रही है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): There is no proposal at present, to run any additional train on Hajipur-Barauni section 16 Dn Gauhati Mail provides a service betwetn 8.00 hrs and 17.40 hrs from Hajipur towards Barauni; timings of 454 Dn Sonpur-Barauni Passenger have been revised with effect from 15-3-82 so as to leave Hajipur at 12.20 hrs in order to provide another day train between Hajipur and Barauni. For passengers from Barauni to Hajipur, 453 Barauni-Mahendrughat Passenger and 15 Up Gauhati-Varanasi Mail are available during 08.0017.00 hrs.

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, मंत्री ने जो अपने जवाब में कहा है, मैंने प्रश्न पूछा था इन्होंने बीच में एक गाड़ी का जिक्र किया, लेकिन यह मेल है । मैंने पूछा था कि आम जो लोग हैं और जो उधर के लोग हैं बिहार और उत्तर बिहार के उनको घोर संकट का सामना करना पड़ता है, आप यदि उस रास्ते से कहीं भी जायें चाहे कलकत्ता या गोरखपुर तक तो यदि आप किसी तरह डिब्बे में घुस गये हैं और टट्टी, पाखाना लगे तो आप टायलट में नहीं जा सकते हैं आपको वहीं बैठकर करना पड़ेगा । यह हालत है ।

अध्यक्ष महोदय : एक दिन बगैर बताये चुपचाप मंत्री जी को ले जायें ।

श्री राम विलास पासवान : मंत्री जी गये होंगे तो मालूम होगा । वहां कोई वी.आई.पी. नहीं है, सब बराबर हैं । वहां फर्स्ट क्लास में भी वही दिक्कत है और एक गाड़ी में एक ही क्लास नहीं है, आपके मुताबिक भले ही फर्स्ट और सेकेन्ड क्लास हो, लेकिन वहां 8,10 क्लासेज चलती हैं जैसे गोदाम क्लास, छत क्लास भी है, बैठी और खड़ी क्लास भी है और हुक क्लास भी होती है । जब इतनी भीड़ है और लोग परेशान हैं तो उस परिस्थिति में आप कहते हैं कि हमारे यहां कोई विचार नहीं है, एक दम आउटराइट रिजेक्ट कर दिया ।

थोड़ा ऐसा भी करना चाहिये सेठी साहब कि जब इस तरह का मामला हो तो कम-से कम संतोष देने के लिये यह भी कहना चाहिये कि विचार कर रहे हैं, लेकिन ऐसी लाठी सी मार देते हैं, कि कोई प्रपोजल ही नहीं है । मंत्री महोदय ने मेल गाड़ी के सम्बन्ध में कहा है, लेकिन जहां तक यात्रियों का मामला है, आप सचमुच में क्या फील करते हैं कि यात्रियों को कठिनाई है या नहीं ?

सवाल मेरा यह है कि आपने जो कह दिया कि कोई प्रपोजल नहीं है, तो क्यों प्रपोजल नहीं है ? आपके पास वहां लाइन केपेसिटी कितनी है ? क्या वह फुल है ? अगर नहीं तो कितनी है और उसमें अतिरिक्त रेलगाड़ी चलाने में क्या दिक्कत है ?

श्री मल्लिकार्जुन : प्रश्न तो अलग है, वह क्लास के बारे में कह रहे हैं । इंडियन सोसाइटी में हर क्लास है ।

प्रश्न यह है कि हाजीपुर से बरौनी तक सुबह से शाम तक कई ट्रेन का बन्दोबस्त नहीं है । यात्रियों को ध्यान में रखते हुए, कोई गलत वायदा न करते हुए, जो रिसोरसेज हैं, उसके अन्दर अभी दो ट्रेनें बरौनी से हाजीपुर को चला रहे हैं । उसी तरह से हाजीपुर से बरौनी को चला रहे हैं । अगर ट्रेन का टाइम वह चाहें तो बता सकता हूं ।

अध्यक्ष महोदय : आप क्या चाहते हैं ?

श्री राम विलास पासवान : एक सवेरे की ट्रेन में पब्लिक जायेगी और दूसरी शाम को जायेगी । अगर किसी को 20, 25 कोस जाना पड़ेगा तो वह एक बार सवेरे में और दूसरी बार शाम में जायेगी ?

श्री मल्लिकार्जुन : बरौनी महेन्द्रूघाट ट्रेन का टाइम 15 मार्च से चेंज किया गया है और अब वह 12.20 पर बरौनी से स्टार्ट होती है ।

(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन : एक ट्रेन 16 डाउन-गोहाटी वाराणसी मेल 15.40 को स्टार्ट होता है ।

(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : यह मेरी कांस्टीटुएन्सी का मामला है, मैं वहां की नस-नस जानता हूं । पहले बताइये मेल कहां कहां रुकती है, और कहां-कहां से चलती है । मैं कह रहा हूं कि आम पब्लिक के लिये आप क्या कर रहे हैं ? आप कहते हैं कि मेल गाड़ी चल रही है ।

अध्यक्ष महोदय : पहले पासवान मेल रुकेगी बोलने की तभी जवाब आयेगा ।

SHRI MALLIKARJUN: One train starts from Hajipur at 15.40 hrs. and arrives at Barauni at 18.43 hrs. Another train starts at 12.20 hrs. from Hajipur and arrives at Barauni at 16.20 hrs. In reverse one train starts from Barauni at 12,25 hrs. and arrives at Hajipur at 14.25 hrs. and yet another train starts at 11.00 hrs. and arrives at 15.45 hrs. at Hajipur from Barauni.

श्री राम विलास पासवान : मेरा प्रश्न दो लाइन का है कि क्या रेल मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि सरकार का विचार हाजीपुर बरौनी लाइन पर अतिरिक्त रेलगाड़ी चलाने का है, क्योंकि आजकल 8 बजे से 17.50 के बीच कोई रेल-गाड़ी नहीं है, जिससे यात्रियों को असुविधा होती है ?

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने कह दिया कि नहीं विचार है ।

श्री राम विलास पासवान : मैं जानना चाहता हूं कि लाइन केपेसिटी कितनी है ? इनको मालूम है कि प्रत्येक लाइन की अपनी कैपेसिटी होती है, कितनी गाड़ी चल सकती है ।

श्री मल्लिकार्जुन : लाइन कैपेसिटी 100 परसेंट सैचुरेटेड है, पूरा है ।

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से फिर आग्रह करूंगा कि यह बहुत गम्भीर मामला है, छोटे छोटे स्टेशनों पर यात्रियों को यात्रा की सुविधा देने का सवाल है । मंत्री महोदय ने कहा है कि हाजीपुर से गाड़ी चलती है और बरौनी पर रुकती है । क्या उन्होंने बीच के स्टेशनों के पैसेंजरों की दिक्कतों को रीयलाइज किया है ? वहां पर मोटर ट्रैफिक काफी चल रहा है । जब मोटर वाले फायदा उठा रहे हैं, तो रेलवे को भी काफी फायदा होने की सम्भावना है । इससे यात्रियों को भी सुविधा मिल जायेगी । क्या मंत्री महोदय इस प्रश्न पर पुनर्विचार करेंगे ?

रेल मंत्री (श्री प्रकाश चन्द्र सेठी) : मैं माननीय सदस्य की चिन्ता को पूरी तरह एप्रिशिएट करता हूं । माननीय सदस्य ने यह समस्या रखी है कि मेल ट्रेन सब स्टेशनों पर नहीं रुकती है, वहां पर बहुत ओवर-क्राउडिंग है और यात्रियों को असुविधा होती है । वह चाहते हैं कि पैसेंजर ट्रेन की सुविधा बढ़ाई जाए । उनका मुख्य प्रश्न यह था कि दिन के समय दूसरी गाड़ी नहीं है । इस बारे में 15 मार्च से यह सुविधा दी गई है कि एक गाड़ी 12·20 बजे से चलाई जा रही है जो कि पहले नहीं चलती थी । मैं माननीय सदस्य से केवल इतना कह सकता हूं कि इस समय हमारी मुश्किल कोचिज की कमी की भी है । जैसे ही कोचिज की कमी के बारे में सुधार होगा, उनके सुझाव पर विचार किया जाएगा ।

Archaeological Monuments under the Calcutta Circle

*354. SHRIMATI JAYANTI PATNAIK: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) what is the total number of archaeological monuments under the Calcutta circle of the Archaeological Survey of India;

(b) how many of these belong to Orissa;

(c) have Government of India received a proposal from State Government of Orissa to have an independent circle for Orissa in view of the large number of monuments in the State; and

(d) when will Government of India set up a new circle for Orissa?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRIES OF EDUCATION AND CULTURE AND SOCIAL WELFARE (SHRI P. K. THUNGON) : (a) As per Protection Notifcation entries, the total number of monuments and sites under the Eastern Circle (with headquarters at Calcutta) is 243.

(b) 65 belong to Orissa.

(c) Yes, Sir.

(d) Government does not consider it necessary to create a separate circle for Orissa.

SHRIMATI JAYANTI PATNAIK: The Minister's answer to part (d) of the question is unconvincing. I asked this because not only in the Eastern States, but in the country as a whole, Orissa has the largest concentration of ancient monuments well known for their beauty and splendour. The Minister has replied that there are 65 Centrally protected monuments in Orissa. In view of the large number of monuments in Orissa and the world-famous monument like Black Pagoda in Konarak and the monument relating to Buddhist Sculpture in Lalitgiri, Udaigiri and Ratnagiri, due attention for conservation, survey and documentation there, including the urgent attention and investment for restoration and preservation of Sun Temple has not been given. And in this context, I wish to point out that in spite of the repeated requests by the State Government and also the suggestion made by Advisory Board of Archaeology in their 25th meeting for setting up a new Circle in Orissa, this has not been considered. We come to know that it has been rejected on the ground that Calcutta circle has been bifurcated forming a new circle with Headquarters at Gauhati to look after the North Eastern region and keeping Orissa in Calcutta circle. Now, may I ask the Minister how many monuments and what quantum of annual allocation would justify an independent circle May I know whether any other circle has less number of Monuments and less allocation than Orissa

SHRI P. K. THUNGON: Sir, I quite appreciate the concern of the hon. Member about the importance of protection of ancient monuments. But at the same time the hon. Member will bear with me that as per Ancient Monument and Archaeologi-